IJAER/ March-April 2023/Volume-12/Issue-2 ISSN: 2278-9677
International Journal of Arts & Education Research

मध्याह्न भोजन योजना का प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन

शोधार्थी

पूजा राणा

शिक्षा विभाग

हिमालयन यूनिवर्सिटी उत्तराखण्ड

सारांश-----

प्रस्तुत शोध अध्ययन का उद्देश्य प्राथमिक विद्यालयों में सरकार द्वारा संचालित मध्याह्न भोजन योजना का अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना है। उत्तर प्रदेश राज्य के मेरठ जिले के पांच विकास खंडों में संचालित प्राथमिक विद्यालयों में से प्रत्येक विकास खंड से 2-2 विद्यालयों का यादृच्छिक प्रतिचयन विधि द्वारा चयन किया गया तथा प्रत्येक विद्यालयों से 10 विद्यार्थियों (5 छात्र व 5 छात्राओं) का चयन यादृच्छिक प्रतिदर्श के आधार पर किया गया है। प्रदतों का संकलन करने के लिए डॉ0 ए0के0 सिंह तथा डॉ0एस0एन0 गुप्ता द्वारा निर्मित सामान्य शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण (GACT-SG) तथा स्वयं निर्मित मध्याह्न भोजन योजना प्रश्नावली का उपयोग किया गया है। आंकड़ों के विश्लेषण द्वारा पाया गया है कि मध्याह्न भोजन योजना का प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है।

मूल शब्द---

मध्याह्न भोजन योजना, प्राथमिक विद्यालय, शैक्षिक उपलब्धि ।

प्रस्तावना--

मानव सभ्यता के आरंभ से ही मानव जीवन की तीन अत्यधिक महत्वपूर्ण आवश्यकताएं रही हैं- रोटी, कपड़ा और मकान। इन महत्वपूर्ण आवश्यकताओं में से सबसे महत्वपूर्ण रोटी अर्थात् भोजन की आवश्यकता की पूर्ति के लिए मनुष्य ने क्या नहीं किया है। देश के निम्न आय वर्ग वाले व्यक्तियों के अधिकांश बच्चे प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। एक सर्वे द्वारा यह ज्ञात हुआ है कि आर्थिक रूप से पिछड़े और कमजोर परिवारों के 60% बच्चे प्रातःकाल बिना भोजन किए विद्यालयों में पढ़ने जाते हैं। इनमें से 15.3% बच्चे स्कूली शिक्षा पूर्ण करने से पूर्व ही विद्यालय छोड़ देते हैं। भोजन की इसी आवश्यकता को देखते हुए देश की स्वतंत्रता के बाद अनेक प्रयास किए गए हैं इस विषम समस्या से उबरने हेतु विभिन्न प्रदेशों की सरकारों ने अनेक उपाय किए हैं जिनमें से एक उपाय विद्यार्थियों को दोपहर में पका पकाया भोजन दिया जाना है। इसे ही मध्याह्न भोजन योजना का नाम दिया गया है।

शोधार्थी द्वारा मध्याह्न भोजन योजना का प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर क्या प्रभाव पड़ा है इसका अध्ययन करने का प्रयास किया गया है।

अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्त्व--

किसी भी शोध कार्य को आरंभ करने से पूर्व उसकी उपादेयता, आवश्यकता एवं महत्त्व को जानना अत्यंत आवश्यक है । शोध अध्ययन करते समय यह ध्यान में रखना चाहिए कि इस शोध अध्ययन से समाज और राष्ट्र को कितना लाभ होगा । भारत सरकाटर के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्राथमिक शिक्षा के पोषण सहायता का राष्ट्रीय कार्यक्रम "नेशनल प्रोग्राम ऑफ न्यूट्रिशनल सपोर्ट टू प्राइमरी एजुकेशन" अगस्त 1900-95 को प्रारंभ किया गया था जिसके अंतर्गत 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत

विद्यार्थियों के स्वास्थ्य स्तर में निरंतर सुधार करना तथा मानसिक स्तर को बढ़ाने के लिए मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराना था। यह भारत सरकार की अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना थी परंतु इसका क्रियान्वयन सही ढंग से नहीं हो रहा है। प्रस्तुत शोध द्वारा यह जानने का प्रयत्न किया गया है कि प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर मध्याह्न भोजन योजना का कितना प्रभाव हुआ है।

समस्या कथन--

प्रस्तुत शोध में शोधार्थी द्वारा चयनित समस्या इस प्रकार है---" मध्याह्न भोजन योजना का प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन"

शोध के उद्देश्य--

शोध के निम्न उद्देश्य निर्धारित किए गए हैं-

1.प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का मापन करना।

2.मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता, पौष्टिकता, वितरण व्यवस्था एवं निर्धारित मानको के अनुसार भोजन प्रदान किए जाने का अध्ययन करना।

3.प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर मध्याह्न भोजन योजना के प्रभाव का अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पना-

प्रस्तुत शोध में निम्न परिकल्पनाओं का निर्माण किया गया है--

1. मध्याह्न भोजन योजना का प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं है।

2. प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर मध्याह्न भोजन योजना का कोई सार्थक प्रभाव नहीं है।

3. मध्याह्न भोजन योजना का प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर कई सार्थक प्रभाव नहीं है।

शोध अध्ययन का परिसीमन-

प्रस्तुत शोध को निम्नानुसार परिसीमित किया गया है-

1. क्षेत्र परिसीमन- प्रस्तुत शोध उत्तर प्रदेश राज्य के मेरठ जिले तक ही सीमित है।

2. समष्टि परिसीमन- प्रस्तुत शोध में उत्तर प्रदेश राज्य के मेरठ जिले में संचालित समस्त सरकारी एवं अनुदान प्राप्त प्राथमिक विद्यालय अध्ययन हेतु लिए गए हैं।

3. न्यादर्श परिसीमन- न्यादर्श के रूप में 10 प्राथमिक विद्यालयों से 100 विद्यार्थियों का (50 छात्र एवं 50 छात्राएं) यादृच्छिक प्रतिचयन विधि द्वारा चयन किया गया है।

न्यादर्श तालिका

क्षेत्र - जिला मेरठ		योग
कुल प्राथमिक विद्यालय	10	
कुल छात्र		50
कुल छात्राएँ		50

कुल विद्यार्थियों की संख्या		100

तकनीकी शब्दों का परिभाषीकरण--

शोध समस्या में आए तकनीकी शब्दों का परिभाषीकरण इस प्रकार किया गया है।

1.मध्याह्न भोजन योजना--- सरकारी तथा अनुदान प्राप्त प्राथमिक विद्यालयों में सरकार द्वारा दोपहर मैं विद्यार्थियों को जो पका पकाया भोजन उपलब्ध कराया जाता है उसे ही मध्याह्न भोजन योजना कहा जाता है।

2.प्राथमिक विद्यालय--- प्रस्तुत शोध में प्राथमिक विद्यालयों का अर्थ उत्तर प्रदेश राज्य के मेरठ जिले में संचालित सरकारी एवं अनुदान प्राप्त विद्यालयों से है जिसमें कक्षा 1 से 5 तक की शिक्षा प्रदान की जाती है।

3.शैक्षिक उपलब्धि --- शोध समस्या में आए शब्द से शैक्षिक उपलब्धि का अर्थ प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के विभिन्न विद्यालयों में उनकी शैक्षिक सम्प्राप्ति को शैक्षिक उपलब्धि माना गया है।

शोध प्रविधि---

प्रस्तुत शोध में शोधार्थी द्वारा प्रदत्तों के संकलन हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

शोध उपकरण---

प्रस्तुत शोध में शोधार्थी ने आंकड़ों के संकलन हेतु निम्न शोध उपकरणों का प्रयोग किया है--

1.मध्याह्न भोजन योजना स्वनिर्मित प्रश्नावली।

2.शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण डॉ0 ए0के0 सिंह तथा ए0 एस0 एन0 गुप्ता द्वारा निर्मित समान्य शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण (GACT-SG) प्रयुक्त किया गया है ।

न्यादर्श--

प्रस्तुत शोध में उत्तर प्रदेश राज्य के मेरठ जिले में संचालित सरकारी एवं अनुदान प्राप्त शोध कार्य हेतु चयनित 10 प्राथमिक विद्यालयों में से 100 विद्यार्थियों (50 छात्र 50 छात्राएं) का यादृच्छिक प्रतिचयन विधि द्वारा चयन किया गया है।

शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी--

प्रस्तुत शोध में निम्नलिखित सांख्यिकी प्रविधियों का प्रयोग किया गया है--1.मध्यमान

2.मानक विचलन

3.टी परीक्षण

आंकड़ों का विश्लेषण–

मध्याह्न भोजन योजना का प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन निम्न तालिकाओं द्वारा किया गया है

1.विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर मध्याह्न भोजन योजना के प्रभाव का अध्ययन----

तालिका क्रमांक -1

कुल विद्यार्थियों की संख्या	मध्याह्न भोजन योजना	शैक्षिक उपलब्धि	टी परीक्षण
100	मध्यमान मानक विचलन	मध्यमान मानक विचलन	
	36.8 8.4	29.5 6.0	7.08

(df = N1+N2 2 = 50+50 2 = 98)

उपरोक्त तालिका (क्रमांक 1) में 100 विद्यार्थियों के मध्याह्न भोजन योजना प्रश्नावली पर प्राप्त अंकों का मध्यमान 36.8 एवं मानक विचलन 8.4 है । उक्त सारणी में शैक्षणिक उपलब्धि परीक्षण पर प्राप्त प्राप्तांकों का मध्यमान 29.5 तथा मानक विचरण 6.0 है। विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान मध्याह्न भोजन योजना के मध्यमान से कम है।
गणना द्वारा प्राप्त टी का मान 7.08 है जो कि 0.01 विश्वास के स्तर 2.63 से अधिक है। आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि मध्याह्न भोजन योजना एवं शैक्षणिक उपलब्धियों के मध्य सार्थक है अर्थात मध्याह्न भोजन योजना का प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर कोई प्रभाव परिलक्षित नहीं होता है।

2.छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर मध्याह्न भोजन योजना के प्रभाव का अध्ययन----

तालिका क्रमांक-2

छात्राओं की संख्या	मध्याह्न भोजन योजना	शैक्षिक उपलब्धि	टी परीक्षण
50	मध्यमान मानक विचलन	मध्यमान मानक विचलन	
	38.1 8.6	28.7 7.2	5.94

(df = N1+N2 2= 25+25 2= 48)

उपरोक्त तालिका (क्रमांक 2) में 50 छात्राओं के मध्याह्न भोजन योजना प्रश्नावली एवं शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण पर प्राप्त प्राप्तांकों के मध्यमान क्रमशः 38.1 तथा 28.7 है तथा मानक विचलन 8.6 एवं 7.2 है। छात्राओं के शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण पर प्राप्त हुए प्राप्तांकों का मध्यमान मध्याह्न भोजन योजना प्रश्नावली पर प्राप्त प्राप्तांकों से कम है। गणना द्वारा प्राप्त टी का मान 5.94 है जो कि 0.01 विश्वास स्तर 2.68 से अधिक है अतः स्पष्ट है कि मध्याह्न भोजन योजना का छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ रहा है क्योंकि मध्यमानों के मध्य सार्थक अंतर है।

3.छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर मध्याह्न भोजन योजना के प्रभाव का अध्ययन---

तालिका क्रमांक - 3

छात्रों की संख्या	मध्याह्न भोजन योजना	शैक्षिक उपलब्धि	टी परीक्षण
50	मध्यमान मानक विचलन	मध्यमान मानक विचलन	
	36.3 7.3	29.8 7.25	4.48

(df = N1+N2 2 = 25+25 2 = 48)

उपरोक्त तालिका (क्रमांक 3) में 50 छात्रों के मध्याह्न भोजन योजना प्रश्नावली पर प्राप्त प्राप्तांकों का मध्यमान 36.3 तथा मानक विचलन 7.3 है एवं शैक्षिक उपलब्धि पर प्राप्त प्राप्तांकों का मध्यमान 29.8 एवं मानक विचलन 7.25 है । आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान एवं मानक विचलन मध्याह्न भोजन योजना प्रश्नावली के मध्यमान एवं मानक विचलन से कम है । दोनों मध्यमानों पर गणना द्वारा प्राप्त टी का मान 4.48 है जो कि 0.01 विश्वास के स्तर 2.58

से अधिक है । अतः स्पष्ट है कि छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि पर मध्याह्न भोजन योजना का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ रहा है।

निष्कर्ष---

प्रस्तुत शोध के परिणामों से मध्याह्न भोजन योजना के यथार्थ का चित्रण किया गया है। आंकड़ों के विश्लेषण से यह ज्ञात हुआ है कि मध्याह्न भोजन योजना का प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ रहा है। मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता, पौष्टिकता, वितरण व्यवस्था तथा निर्धारित मानको के अनुसार भोजन प्रदान किए जाने पर भी ध्यान नहीं दिया जाता है। शोध के मुख्य निष्कर्ष इस प्रकार हैं।

1. प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों पर मध्याह्न भोजन योजना का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ रहा है।
2. प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर मध्याह्न भोजन योजना का कोई सकारात्मक प्रभाव परिलक्षित नहीं हो रहा है।
3. मध्याह्न भोजन योजना का प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर भी कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा है।

भावी शोध हेतु सुझाव----

1.प्रस्तुत शोध प्राथमिक विद्यालयों पर किया गया है इसे उच्च प्राथमिक विद्यालयों पर भी किया जा सकता है।

2.प्रस्तुत शोध में न्यादर्श के रूप में मेरठ जिले का अध्ययन किया गया है ।शोधार्थी मध्याह्न भोजन योजना का अन्य जिलों में भी अध्ययन कर सकता है।

3.इस स्तर पर ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का भी तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।

4.प्रस्तुत शोध कार्य में शोधार्थी ने विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों का अध्ययन किया है भावी शोधार्थी शिक्षा में अपव्यय एवं अवरोधन के कारणों की विस्तृत व्याख्या भी कर सकते हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1.कपिल, एच के 1995 अनुसंधान विधियां, आगरा , भार्गव प्रकाशन।

2.शर्मा, आर0 ए0 1992 शिक्षा तकनीकी, मेरठ ,लाल बुक डिपो।

3.मध्याह्न भोजन योजना 1995 मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली।

4.तिवारी, सुभाषचंद्र 2005 – 06 प्राथमिक स्तर पर मध्याह्न भोजन योजना की क्रियान्वयन समस्या का अध्ययन, लघुशोधप्रबंध जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर, मध्य प्रदेश।

5.परिहार, नीलम सिंह 2008 – 09 मध्याहन भोजन योजना का क्रियान्वयन सतना जिले के प्राथमिक विद्यालयों के विशेष संदर्भ में, लघुशोधप्रबंध अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा, मध्य प्रदेश।

6.दीक्षित, मनीष कुमार 2011 मध्याह्न भोजन कार्यक्रम का मूल्यांकन अध्ययन , शोध प्रबंध जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर , मध्य प्रदेश।

7.शर्मा, अंजना 2014 मध्याह्न भोजन योजना का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव एक अध्ययन, शोध प्रबंध चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ उत्तर प्रदेश।